DAINIK BHASKAR (08.08.2016)

वाईएमसीए के पूर्व छात्र देंगे विद्यार्थियों के कौशल निर्माण में अपना योगदान

फरीदाबाद. वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित एल्युमिनाई मीट में भाग लेते भूतपूर्व छात्र।

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा यूनिवर्सिटी के ही भूतपूर्व छात्रों (एल्युमिनी) व संकाय सदस्यों के बीच एक विशेष परिसंवाद सत्र का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में कौशल आधारित व्यावहारिक शिक्षा को प्रोत्साहित करना व शिक्षण पाठ्यक्रमों व उद्योग के बीच के अंतराल को भरने पर चर्चा करना था। इसमें सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों सहित वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। चर्चा में वर्ष 1975 से 1979 के बीच वाईएमसीए संस्थान से उत्तीर्ण हुए भूतपूर्व छात्रों शामिल हुए।

एल्युमिनी एवं संकाय सदस्यों बीच परिसंवाद सत्र पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर करने की आवश्यकता है, ताकि विश्वविद्यालय को इसका लाभ मिल सके। परिसंवाद सत्र को संबोधित करते हुए संकायाध्यक्ष (संस्थान) प्रो. संदीप ग्रोवर ने अवगत कराया कि विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता को सुधारने के लिए कई तरह की पहल की गई है। विश्वविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ व करियर परामर्श प्रकोष्ठ स्थापित किए गए हैं। इनके माध्यम से शिक्षा पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता को परखा जाता है। प्रो. ग्रोवर ने बताया कि विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा व्यवहारिक ज्ञान एवं प्रशिक्षण हासिल हो, इसके लिए औद्योगिक सहभागिता में विश्वविद्यालय द्वारा दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किये गए हैं। कुल सचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा ने ने कहा कि भूतपूर्व छात्र विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने संस्थान एवं भूतपूर्व छात्रों के बीच जुड़ाव को और अधिक सक्रिय एवं प्रासंगिक बनाने की जरूरत पर बल दिया। इस अवसर पर भूतपूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का दौरा किया तथा विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली।

HINDUSTAN (08.08.2016)

कौशल निर्माण छात्र योगदान देंगे

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से पूर्व छात्रों (एल्युमिनाई) तथा संकाय सदस्यों के बीच एक संवाद सत्र का आयोजन शनिवार देर शाम किया। इसमें विद्यार्थियों ने कौशल विकास व व्यावहारिक शिक्षा पर चर्चा की।

इसमें सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों और वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इसके अलावा वर्ष 1975 से 1979 के बीच वाईएमसीए संस्थान से उत्तीर्ण पूर्व छात्रों ने भाग लिया। इस मौके पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा ऐसे कार्यक्रमों से नए छात्रों को सीखने का मौका मिलेगा। इससे विश्वविद्यालय को भी लाभ मिल सकेगा। संस्थान में पढ़ चुके कई छात्र नामचीन कंपनियों में काम कर रहे हैं। संकायाध्यक्ष (संस्थान) प्रो. संदीप ग्रोवर ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षा पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता को सुधारने के लिए इस तरह की पहल की गई है।

DAINIK JAGRAN (08.08.2016)

नई दिल्ली, 8 अगस्त 2016 दैनिक जागरण| V

विविध गतिविधियां

वाईएमसीए में हुआ पूर्व छात्रों का सम्मेलन

वाइएमसीए यूनिर्विसटी के पूर्व छात्र परिसंवाद सत्र के दौरान। जागरण

जासं, फरीदाबाद: वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से पूर्व छात्रों (एल्युमनाई) तथा संकाय सदस्यों के बीच एक विशेष परिसंवाद सत्र का आयोजन किया गया। इस परिसंवाद सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में कौशल आधारित व्यावहारिक शिक्षा को प्रोत्साहित करना तथा शिक्षण पाठ्यक्रमों व उद्योग के बीच के अंतराल को भरने पर चर्चा करना था। इसमें सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों सहित वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। चर्चा में वर्ष 1975 से 1979 के बीच वाईएमसीए संस्थान से उत्तीर्ण हुए छात्र शामिल हुए। पूर्व छात्रों में जाने माने उद्यमी तथा कारपोरेट जगत के बड़े नामी लोग शामिल थे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर रूप से आयोजित करने की आवश्यकता है। संकायाध्यक्ष (संस्थान) प्रो. संदीप ग्रोवर ने कहा कि विश्वविद्यालय में शिक्षा पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता को सुधारने के लिए कई तरह की पहल की गई है। कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा ने भूतपूर्व छात्रों का विश्वविद्यालय में आगमन पर स्वागत किया तथा भूतपूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय का ब्रांड अंबेसडर बताया। विश्वविद्यालय के 1975 बैच के छात्र रहे अनिल खेड़ा भी संबोधित किया। इस दौरान नवीन ग्रोवर, लखविंद्र सिंह, सुनील बजाज, प्रवीण शर्मा व मुकेश मलिक शामिल थे।

PUNJAB KESARI (08.08.2016)

परिसंवाद कार्यक्रम का आयोजन

फरीदाबाद,(नवीन धमीजा): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों (एल्युमनाई) तथा संकाय सदस्यों के बीच एक विशेष परिसंवाद सत्र का आयोजन किया गया। इस परिसंवाद सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में कौशल आधारित व्यवहारिक शिक्षा को प्रोत्साहित करना तथा शिक्षण पाठ्यक्रमों व उद्योग के बीच के अंतराल को भरने पर चर्चा करना था। इस परिसंवाद सत्र में सभी संकायाध्यक्षों व विभागाध्यक्षों सहित वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। चर्चा में वर्ष 1975 से 1979 के बीच वाईएमसीए संस्थान से उत्तीर्ण हुए भूतपूर्व छात्रों शामिल हुए। एल्युमनाई एवं संकाय सदस्यों बीच परिसंवाद सत्र के आयोजन पर प्रसन्नता जताते हुए कुलपति प्रो0 दिनेश कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर रूप से आयोजित करने की आवश्यकता है ताकि विश्वविद्यालय को इसका लाभ मिल सके। वाईएमसीए संस्थान के भूतपूर्व छात्राएं जिनमें जाने माने उद्यमी तथा कॉरपोरेट जगत के बड़े नामी लोग शामिल थे, ने अपने अनुभव साझा किये और विद्यार्थियों के क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास के लिए शिक्षण पाठ्यक्रम में सुधार पर बल दिया तथा अपनी सुझाव प्रस्तुत किये। इस अवसर पर भूतपूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का दौरा किया तथा विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। परिसंवाद सत्र में हिस्सा लेने वाले व्यक्तियों में नवीन ग्रोवर, लखविन्द्र सिंह, सुनील बजाज, प्रवीण शर्मा व मुकेश मलिक भी शामिल थे।